SHRI P.V. NARASIMHA RAO: Sir, I beg to move:

"That this House approves the continuance in force of the Proclamation, dated the 25th May, 1984 in respect of Sikkim, issued under Article 356 of the Constitution by the President for a further period of six months with effect from the 25th November, 1984."

As the House is aware Parliament had approved on July 23, 1984, the Proclamation under Article 356 of the constitution in respect of the State of Sikkim and the dissolution of the Legislative Assembly of the State. The Proclamation had been issued on May 25, 1984 and remains valid till November 24, 1984. The five-year term of the State Assembly expires in October 1984. However, the Governor has indicated that certain issues, having far-reaching Constitutional implications are currently raised in the State in regard to the representation of different sections of the people in the State Legislature. While these issues are being considered, any electoral process could lead to tensions and disharmony which would vitiate the atmosphere. Taking into consideration all the circumstances prevailing in the State, the Governor has recommended extension of President's rule by another six months beyond 24th November 1984. All efforts will continue to create conditions of mutual appreciation and understanding of these issues in the true interest of various sections of the people of Sikkim and indeed consistent with the larger interest of our nation as a whole. In view of the above, I request the august House to approve the continuance in force of the Proclamation issued by the President in respect of the State of Sikkim on may 25, 1984 for a further period of six months with effect from November 24.

MR. SPEAKER: The questions is:
"That this House approves the continuance in force of the Proclamation, dated the 25th May, 1984 in respect of Sikkim, issued under Article 356 of the Constitution by the President, for a further period of six months with effect from the 25th November, 1984".

The motion was adopted,

19.10 hrs.

STATUTORY RESOLUTION RE: APPROVAL OF CONTINUANCE OF PROCLAMATION IN RESPECT OF PUNJAB

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P.V. NARASIMHA RAO): Sir, I beg to move: the following Resolution:

"That this House approves the continuance in force of the Proclamation, dated the 6th October, 1983 in respect of Punjab, issued under Article 356 of the constitution by the President, for a further period of six months with effect from the 6th October, 1984."

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House approves the continuance in force of the Proclamation dated the 6th October, 1983 in respect of Punjab, issued under Article 356 of the Constitution by the President, for a further period of six months with effect from the 6th October 1984."

The motion was adopted.

CONCLUDING REMARKS

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार): अध्यक्ष जी, यह जो नवम्बर से आगे तक की मंजूरी ले ली है इसका मतलब यह है कि दोबारा इस पार्लमेन्ट का सेशन तो होना नहीं है। अब हम आखिरी दफा मिल रहे हैं तो हम एक दूसरे का शुक्रिया अदा कर दें। अध्यक्ष जी, आपकी बड़ी मेहरबानी, आपने इस हाउस से सिर्फ मुझे ही निकाला आठ दिन के लिए और किसी को भी नहीं निकाला।

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): अध्यक्ष जी, हमने आपको बहुत तकलीफ दी

लेकिन यह डिमोक्रेसी की रक्षा के लिए किया क्योंकि सरकार डिमोक्रेसी खत्म करना चाहती थी। आपको हमसे दुःख पहुचा हो तो हमें क्षमा करेंगे।

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : अध्यक्ष जी, हम आपके बहुत आभारी हैं कि आपने इस सदन को बहुत अच्छी तरह से चलाने की व्यवस्था की।

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF SPORTS, IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN) : Sir, I would request all the hon. Members to join the dinner as 8.30 p.m. in Room No. 70.

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यगण, आपके दिल में कुछ संशय हो कि सदन की बैठक दोबारा होगी या नहीं तो वह तो जैसा भी होगा देखेंगे।

(व्यवधान)

जितने दिन आप सेशन चलाते हैं मुझे खुशी होती है, जब सेशन नहीं होता है तो मैं उदास हो जाता हूं।

जिस प्रकार से माननीय सदस्यों ने इधर से, उधर से, नेतागणों ने, हर एक ग्रुप के लीडर्स ने मेरे प्रति जो सद्भाव दिखाया और आपने मुझे जो आदर, मान और कोआपरेशन दिया है उसके लिए मैं आप सभी का बड़ा आभारी हूं। मैं समझता हूं आपने बहुत भारी कृपा की इस हाउस को चलाने में और मेरे सामने कोई दुविधा नहीं आई। कभी-कभी थोड़ी बहुत नर्मी गर्मी होती ही रहती है लेकिन मन के अन्दर कभी कोई दुर्भावना नहीं आई। बाहर निकलते ही वैसे का वैसा ही हमारा भाईचारा बना रहा है। जिस सही तरीके से आपने इस हाउस को चलाया है, उससे प्रभावित होकर मैं यह कहने के लिये तत्पर हूं कि इस देश में प्रजातंत्र का भविष्य बड़ा उज्ज्वल है।

ऐसा सद्भाव और भाईचारे का वातावरण मैंने संसार की किसी पालियामेंट में नहीं देखा है। इन पांच वर्षों में हमने 465 टोटल मिटिंग्ज की हैं, 3100 घन्टे काम किया है, 340 बिल पास किये हैं, 300 कालिंग एटेन्शन मोशन्ज, 82 गवर्नमेंन्ट रेजोल्यूशन्ज, 29 प्राइवेट रेजोल्यूशन्ज, 9000 स्टार्ट क्वेश्चन्ज, 94000 अनस्टार्ड क्वेश्चन्ज, 39 प्राइवेट मेम्बर्स बिल्ज और 3000 से ज्यादा मेटर्स-अण्डर-रूल-377 रेज किये गये। मैं समझता हूं कि यह एक बहुत बड़ा रिकार्ड है।

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : One figure is left—225 Members spoiled their throats.

अध्यक्ष महोदय : आप तो 20-25-50 माननीय सदस्य खड़े हो जाते थे, उस समय मेरे गले का क्या हाल हुआ होगा-उस के लिए कुछ व्यवस्था मालिश वगैरह आप लोग कर दीजिये, आफ सेशन में।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (नई दिल्ली) हम लोगों ने गला नहीं दबाया।

अध्यक्ष महोदय : बिल्कुल नहीं दबाया। गला-गला है, गले से गला लगाना होता है।

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री वसंत साठे) : मैं आप के गले के लिए आवश्यक दवाइयां दे दूंगा।

अध्यक्ष महोदय : मेरी शुभकामनायें आप के साथ हैं। आपके प्रति मेरे दिल में आदर है। आप लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे इतना आदर और मान दिया है, यह बहुत बड़ा खजाना है जिसको मैं संजोकर रखूंगा और जिसको मैं अपनी डायरी में लिख कर और

छोड़कर जाऊंगा कि ऐसे सज्जन सदस्य थे जिन्होंने इतना प्यार, आदर और सत्कार दिया। आप को बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Jadavpur) : Sir, we appreciate the way you have conducted the proceedings. It is a great pleasure and it is a matter of satisfaction for all of us. On my own behalf and on behalf of my Party I express my fullest sense of satisfaction and thanks for the way you have conducted the proceedings. It is a great privilege for all of us.

श्री राम विलास पासवान : (हाजीपुर) : हम लोग यंगर-जैनरेशन के हैं, हम लोग समझते हैं कि हम ने आप को सदा तंग किया होगा लेकिन मैं समझता हूं कि आप हम को छोटा भाई समझ कर या अपने छोटे लड़के के तुल्य समझ कर, हम लोगों ने जो आप को कष्ट पहुंचाया है, उसके लिये क्षमा करेंगे।

अध्यक्ष महोदय : आप उतना ही प्यार भी कर लेते थे।

श्री राम विलास पासवान : हम लोगों की मंशा चेयर को डिफाई करने की नहीं थी और न भविष्य में रहेगी। हम लोग ड्यूटी पूरी करते थे। हम लोग आपको जान कर तकलीफ देते थे, हम लोग व्यक्त भी करते थे कि हम आप को तकलीफ दे रहे हैं। मैं समझता हूं-भविष्य में आप इस को माइण्ड नहीं कीजियेगा। आप जब अपनी किताब लिखें तो उस में थोड़ा हम लोगों के प्रति प्यार भी लिखियेगा।

अध्यक्ष महोदय : इसको जरूर लिखूंगा कि इन्होंने मेरी कसम तुड़वाई।

श्री सतीश अग्रवाल : राम विलास पासवान ने आज अपनी सारी स्थिति स्पष्ट कर दी।

अध्यक्ष महोदय : आदमी समझदार है। इस हाउस के पांच साल के अर्से में यह मैं जरूर लिखूंगा कि इन्होंने मेरी कसम तुड़वाई। उस के लिये मैं इन के खिलाफ जरूर लिखूंगा।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI H.K.L. BHAGAT) : All sections of the House have the same feelings for you and your generosity. You have been both generous and a very capable Speaker.

अध्यक्ष महोदय : वाजपेयी जी जैसा कह रहे थे, मिलेंगे, तो आशा ही जीवन है और जीवन ही आशा है, तो जरूर मिलेंगे और यहीं मिलेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : नवम्बर में नहीं मिलेंगे तो उस के बाद मिलेंगे।

अध्यक्ष महोदय : इसी हाउस में मिलेंगे और यहीं मिलेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन : जीवन में कहीं न कहीं तो मिल ही लेंगे।

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittour) : Our thanks also to the Deputy-Speaker.

MR. SPEAKER : Now, the House stands adjourned *sine die*.

19.20 hours

The Lok Sabha then adjoured sine die.

Printed at : Sunlight Printers, Delhi-110006 Phone : 233363